जयपुर, सोमवार 03.03.03

सर्वश्रेष्ठ रिपोर्टिंग
सोपा-2002

राजस्थान पत्रिका

एशिया के भाषायी समाचार-पत्रों में सर्वश्रेष्ठ
स एषु सुप्तेषु जागर्ति
www.rajasthanpatrika.com

सर्वश्रेष्ठ छपाई
इफ्रा एशिया-2002

श्रीगंगानगर, भीलवाड़ा, अलवर, अजमेर, बंगलौर और अहमदाबाद से एक साथ प्रकाशित
वर्ष: 47, अंक: 356
पृष्ठ अट्ठारह

गिरिजा देवी को डागर घराना व जावलिया को कुंभा सम्मान

मेवाड़ फाउण्डेशन के तीन विशिष्ट पुरस्कारों की घोषणा / सत्रह जनों को राज्य स्तरीय सम्मान

उदयपुर, 2 मार्च

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाले 17 विशिष्ट व्यक्तियों को राज्य स्तर पर प्रदान किए जाने वाले महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन के वार्षिक सम्मानों की घोषणा कर दी है। उनको ये सम्मान 9 मार्च को यहां सिटी पैलेस प्रांगण में होने वाले समारोह में प्रदान किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि फाउण्डेशन राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलंकृत होने वाली पांच विभूतियों के नामों की घोषणा पहले ही कर चुका है।

सिटी पैलेस में सम्मान समारोह फाउण्डेशन के अध्यक्ष अरविन्द सिंह मेवाड़ के सान्निध्य में होगा। मुख्य अतिथि राज्यपाल अंशुमान सिंह होंगे व अध्यक्षता महंत मुरली मनोहर शरण शास्त्री करेंगे। फाउण्डेशन के सचिव एवं अलंकरण समारोह के संयोजक त्रिलोकचन्द्र शर्मा ने रविवार को सम्मानित होने वाले विशिष्ट व्यक्तियों के नामों की घोषणा की। इसके तहत इस वर्ष समाज में शैक्षिक, चारित्रिक, नैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में उल्लेखनीय सेवाओं के के लिए महाराणा मेवाड़ अलंकरण इस बार चार विशिष्ट व्यक्तियों को दिया जाएगा। इसमें उदयपुर के महाराणा भूपाल सार्वजनिक चिकित्सालय में गत कई वर्षों से गरीबों को निःशुल्क भोजन एवं दवाएं मुहैया कराने में लगे पीरु भाई पंवार [उदयपुर], हल्दीघाटी में महाराणा प्रताप की स्मृति में संग्रहालय की स्थापना करने वाले मोहनलाल श्रीमाली [हल्दीघाटी], आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति से कैंसर जैसी दुःसाध्य बीमारी के उपचार की दवा विकसित करने वाले डॉ. नन्दलाल तिवारी [जयपुर] एवं कृत्रिम घुटने का निर्माण करने वाले डॉ. के.एच. संचेती [पुणे] को यह सम्मान दिया जाएगा। इसके तहत चारों को बारह हजार एक रु., रजत तोरण, शॉल एवं प्रशस्तिपत्र भेंट किए जाएंगे।

भारतीय शास्त्रीय संगीत के क्षेत्र में डागर घराना सम्मान इस वर्ष भजन गायिका पद्मभूषण प्राप्त डॉ. गिरिजा देवी को प्रदान किया जाएगा। इस सम्मान में दस हजार एक रुपए, रजत तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किया जाएगा।

समाज में वैदिक परम्पराओं की स्थापना एवं व्यावहारिक कर्मकाण्ड के प्रचार-प्रसार में श्रेष्ठ योगदान के लिए बांसवाड़ा के पं. महादेव शुक्ल तथा वैदिक साहित्यसृजन के लिए जयपुर के आचार्य [डॉ.] नारायण शास्त्री को हारीत ऋषि सम्मान प्रदान किया जाएगा। पं. महादेव शुक्ल सन् 1942 से वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार में लगे हैं तथा भरूच जिले के नारेश्वर संस्थान स्थित परम उपासक अवधूत के स्थान पर रहकर विष अनुष्ठान व वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार का कार्य कर रहे हैं जबकि आचार्य नारायण शास्त्री संस्कृत के ख्यातनाम निबंध लेखक, कवि व कथाकार हैं।

भारतीय संस्कृति, साहित्य व इतिहास के क्षेत्र में महाराणा कुम्भा सम्मान के तहत इतिहास के क्षेत्र में कार्यरत डॉ. बृजमोहन जावलिया [उदयपुर] एवं साहित्य के क्षेत्र में डॉ. आनन्द शर्मा [जयपुर] का चयन किया गया है। डॉ. जावलिया ने 1961 से 1983 के दौरान राजस्थान ओरिएन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट में विभिन्न पदों पर रहकर ऐतिहासिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर 38 वर्षों तक अनवरत कार्य किया। डॉ. आनन्द शर्मा प्रदेश के प्रखर प्रतिभाशाली इतिहासकार-साहित्यकार हैं। ललित कला के क्षेत्र में जोधपुर के डॉ. ज्योति स्वरूप शर्मा एवं उदयपुर के कमल शर्मा को महाराणा सज्जनसिंह सम्मान प्रदान किए जाएंगे। डॉ. ज्योतिस्वरूप शर्मा ने प्राचीन हस्तकलाओं में प्रयुक्त पद्धति को समझा और चमड़े पर सोने की नक्काशी कार्य में महारथ हासिल की। कमल शर्मा ने कला को अर्थपूर्ण आयाम और पर्यावरणीय जागरुकता को चित्रकारी में स्थान दिया।

इसी तरह मेवाड़ के आदिवासी समाज के उत्थान के लिए राणा पूंजा सम्मान इस वर्ष डूंगरपुर के ताराचंद भगोरा को प्रदान किया जाएगा। भगोरा गत कई वर्षों से बांसवाड़ा-डूंगरपुर के क्षेत्र में रहने वाले समाज के पिछड़े व उपेक्षित वर्ग के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए जुटे हैं। राष्ट्रमंडलीय खेलों में निशानेबाजी में स्वर्ण पदक विजेता मेजर राज्यवर्धन सिंह राठौड़ [बीकानेर] एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर गोल्फ में विशिष्ट उपलब्धियां अर्जित करने वाले मास्टर अमनज्योत सिंह [जयपुर] को अरावली सम्मान दिया जाएगा।

फाउण्डेशन की ओर से इस वर्ष तीन विशिष्ठ पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। इनके तहत 5001 रुपए, पदक एवं प्रशंसा पत्र दिए जाएंगे। ये पुरस्कार क्रमशः भारतीय वायु सेना में राजस्थान की प्रथम महिला पायलेट रेणु शेखावत [सिंदरथ-सिरोही], साहित्य क्षेत्र में विशिष्ठ उपलब्धियों के लिए रवि एस. वर्मा एवं सेवानिवृत कर्नल कुंवर गुमान सिंह [कोटा] को भारतीय सेना में देश की रक्षार्थ दी गई उत्कृष्ट सेवाओं के उपलक्ष्य में देने की घोषणा की गई है। विद्यार्थियों को दिए जाने वाले भामाशाह, महाराणा राजसिंह एवं महाराणा फतह सिंह पुरस्कारों की घोषणा भी शीघ्र की जाएगी।

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन द्वारा राज्य स्तर पर प्रदत्त अलंकरणों से सम्मानित होने वाली प्रतिभाएं [ऊपर बाएं से] नंदलाल तिवाड़ी, पीरू भाई पंवार, डा. कांतिलाल, हस्तीमल संचेती, मोहनलाल श्रीमाली, पं. महादेव शुक्ल, डा. नारायण शास्त्री, डा. आनंद शर्मा व डा. बृजमोहन जावलिया, [नीचे बाएं से] डा. ज्योतिस्वरूप शर्मा, कमल शर्मा, डा. गिरिजा देवी, ताराचंद भगोरा, राज्यवर्द्धन सिंह, रेणु शेखावत व कर्नल कुंवर गुमान सिंह।